

संख्या : ६३ /XLI-1/2014-04(प्रशिक्षण) /2013

प्रेषक,

आरोक्ते सुधांशु

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रशिक्षण, विभाग,

उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून : दिनांक २७ जनवरी, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2013-14 में आयोजनागत पक्ष के अनुदान संख्या-30 व 31 के अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति उपयोगान्तर्गत अबचनबद्ध मदों के अन्तर्गत पी०एल०ए० में रखी गयी धनराशि के आहरण/व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-9608/डीटीईयू/साज-सज्जा/पी०एल०ए०/2014, दिनांक 26.11.2014 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-318/ xxvii(1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में शासनादेश संख्या: 103/XLI-1/2014-04(प्रशिक्षण)/2013, दिनांक 28 मार्च, 2014 द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति उपयोजनान्तर्गत अनुदान संख्या-30 व 31 के अन्तर्गत विभिन्न राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए उपकरण एवं संयंत्र क्रय हेतु जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल के पी०एल०ए० में रखी गयी कुल रु० 90.00लाख (रुपया नब्बे लाख मात्र) की धनराशि का आहरण/व्यय किये जाने की स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) यह सुनिश्चित कर लिया जाएगा कि धनराशि का व्यय उन्हीं मदों हेतु किया जा सकता है, जिस हेतु धनराशि प्राप्त हुई है।
 - (2) प्रश्नगत धनराशि का व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 में निहित प्राविधानों एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर तत्सम्बन्धी निर्गत दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
 - (3) शासनादेश संख्या-318/xxvii(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 में निर्गत दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
 - (4) शासनादेश संख्या-103/XLI-1/2014-04(प्रशिक्षण)/2013, दिनांक 28 मार्च 2014 में उल्लिखित शेष शर्तें एवं प्रतिबंध यथावत रहेंगे।
2. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 95 (P)/xxvii(5)/2014, दिनांक 08.01.2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

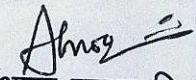
(आरोक्ते सुधांशु)
सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. महालेखाकार, एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, नैनीताल / मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी पौड़ी/हल्द्वानी-नैनीताल।
7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. ~~एन०आई०सी०~~, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(अनूप कुमार मिश्र)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या: ६३ / XLI-1 / १४-०४(प्रशिक्षण) / २०१३ दिनांक २७ जनवरी, २०१५ का संलग्नक

अनुदान संख्या-30

2230—श्रम तथा रोजगार-03—प्रशिक्षण-003—दस्तकार एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण-02—अनुसूचित जातियों का कल्याण-0201—रुद्रप्रयाग, टनकपुर, दिनेशपुर एवं काण्डा आदि रा०आई०टी०आई० में नये व्यवसायों का खोला जाना।

आयोजनागत

मानक मद संख्या एवं मद का नाम	(धनराशि रूपये हजार में)
26—मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	धनराशि
अनुदान संख्या-30 का योग	3000
	3000

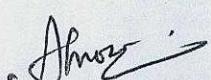
अनुदान संख्या-31

2230—श्रम तथा रोजगार-03—प्रशिक्षण-796—ट्राइबल सब प्लान 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना-0301—मुन्स्यारी, धारचूला, तपोवन एवं कालसी आदि रा०आई०टी०आई० में नये व्यवसायों का खोला जाना।

आयोजनागत

मानक मद संख्या एवं मद का नाम	(धनराशि रूपये हजार में)
26—मशीनें और सज्जा/उपकरण व संयंत्र	धनराशि
अनुदान संख्या-31 का योग	6000
कुल योग अनुदान संख्या-30 व 31	6000
	9000

(रूपया नब्बे लाख मात्र)


 (अनुप कुमार मिश्रा)
 अनुसंचित।